प्रितम पायो रे काया में आत्म अजर अमर भरतार लिरिक्स

प्रितम पायो रे काया में,

दोहा – पूरण भेंट लिया गुरु पूरण,
पूरण बोध भया अज मोई,
पूरण की पहचान भई तब,
पूरण से मिल पूरण होई।
पूरण है आत्म परमात्म,
जाने अभेद मिटे भ्रम जोई,
ज्ञान दियो गुरु चेतन भारती,
बंधन भारती पूरण खोई।

प्रितम पायो रे काया में,
आत्म अजर अमर भरतार।bd।

आत्म दृष्टता दे दृश्य का,
अचल अखंड आधार,
रूप वर्ण रेखा नहीं जिसके,
सुध चेतन अविकार,
प्रितम पायो रे काया मे,
आत्म अजर अमर भरतार।bd।

सच्चिदानंद स्वरूप साक्षी,
पूर्ण ब्रह्म अपार,
अल्लाह अलख रब वही जिवेश्वर,
राम खुदा करतार,
प्रितम पायो रे काया मे,
आत्म अजर अमर भरतार।bd।

परमानंद प्रीतम को पर सत,
जान्यो जगत असार,
सुख स्वरूप सेज में पोढत,
भूल गई संसार,
प्रितम पायो रे काया मे,
आत्म अजर अमर भरतार।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

चेतन भारती गुरु शरणागत,
पाया ब्रह्म विचार,
भारती पूरण अपने आप में,
अनुभव मस्त दीदार,
प्रितम पायो रे काया मे,
आत्म अजर अमर भरतार।bd।

प्रितम पायों रे काया में,
आत्म अजर अमर भरतार।bd।

गायक – पुरण भारती जी महाराज।
Upload By – Aditya Jatav
8824030646

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com